PMA2020 वॉश संक्षेप

PMA2016/RAJASTHAN-R1

परफॉरमेंस मोनिटरिंग एंड एकाउंटेबिलिटी 2020

PMA2020 के अंतर्गत परिवार नियोजन तथा जल, स्वच्छता, व साफ-सफाई (वॉश) के महत्त्वपूर्ण संकेतकों की मोनिटरिंग के लिए कम लागत व त्वरित सर्वेक्षण हेतु मोबाइल तकनीक का उपयोग किया जाता है। इस परियोजना का क्रियान्वयन 10 देशो में स्थानीय विश्वविद्यालय तथा शोध संस्थानों द्वारा मोबाइल के माध्यम से सूचनाएं एकत्रित करने में प्रशिक्षित स्थानीय महिला एनुमेरेटर के माध्यम से किया जा रहा है। भारत में PMA2020 के प्रथम चरण का सर्वेक्षण 2016 में राजस्थान में किया जा चूका है। इस परियोजना का संचालन भारतीय स्वास्थ्य प्रबंध शोध संस्थान (IIHMR) विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा किया जा रहा है। इस हेतु तकनीकी सहयोग एवं समर्थन अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान (IIPS) तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) द्वारा प्रदान किया गया है। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन अनुदानित इस परियोजना का संचालन जोहन्स होपकिन्स ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ़ पब्लिक हैल्थ स्थित बिल एंड मेलिंडा गेट्स जनसँख्या एवं प्रजनन स्वास्थ्य संस्थान तथा जोहन्स होपकिन्स यूनिवर्सीटी वाटर इन्स्टीट्यूट के दिशानिर्देश व सहयोग से किया जा रहा है

PMA2020 के बारे में अधिक जानकारी हेतु कृपया http://www.pma2020.org पर जाएँ।

जल, स्वच्छता, व साफ-सफाई (वॉश) के संकेतकों को चुनें

परिवार पेयजल स्रोतों की संख्या

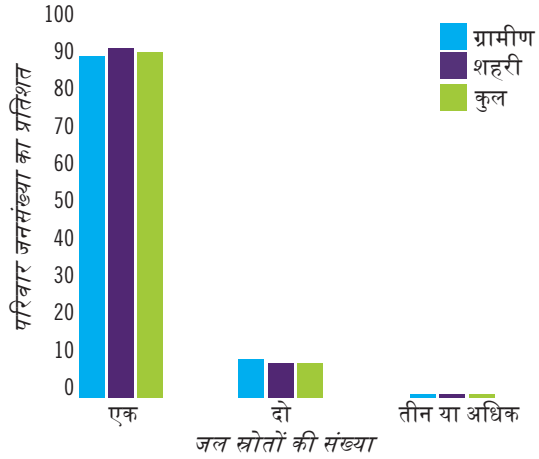

राजस्थान में अधिकतर परिवार पेयजल हेतु केवल एक ही जल स्रोत पर निर्भर हैं। एक नियमित पेयजल स्रोत का प्रयोग वर्ष के एक मौसम में सप्ताह में कम से कम कुछ समय के लिए किया जाता है।

अनुपचारित पेयजल का उपयोग करने वाले परिवार, जाति के अनुसार

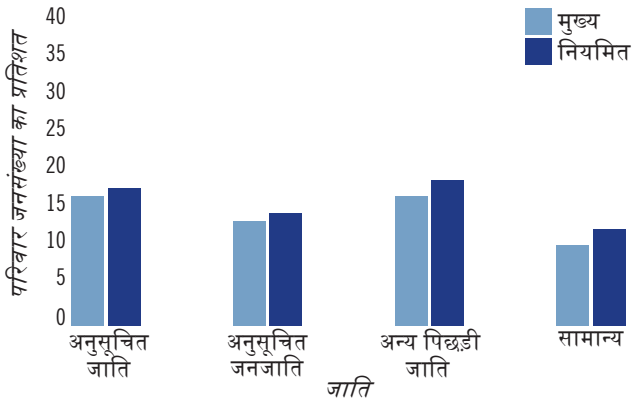

नियमित रूप से अनुपचारित पेयजल के स्रोत प्रयोग करने वाले परिवार के सदस्यों में अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जनजाति के सदस्यों की संख्या सर्वाधिक है एवं सामान्य श्रेणी के सदस्यों की संख्या सबसे कम है। परिवार ने पेयजल के एक ही स्रोत को पेयजल का मुख्य स्रोत माना है। सभी जातियों में नियमित उपयोगकर्ताओं की संख्या मुख्य उपयोगकर्ताओं से अधिक पायी गयी हैं।

पेय जल के मुख्य स्रोत (उपचारित) पर निर्भरता

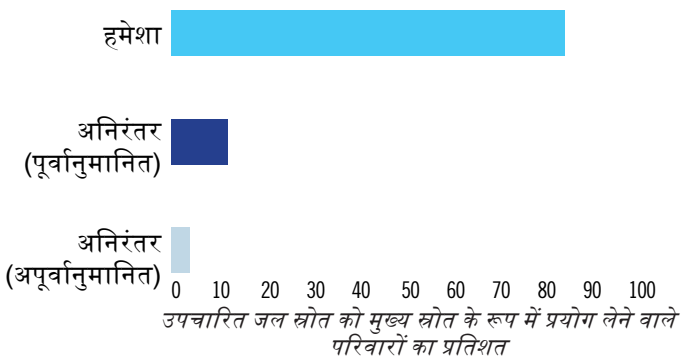

जिन परिवारों का मुख्य जल स्रोत उपचारित है उनमें से अधिकतर ने बताया कि ये हमेशा उपलब्ध रहता है।

परिवार में हाथ धोने के निर्धारित स्थान की उपलब्धता

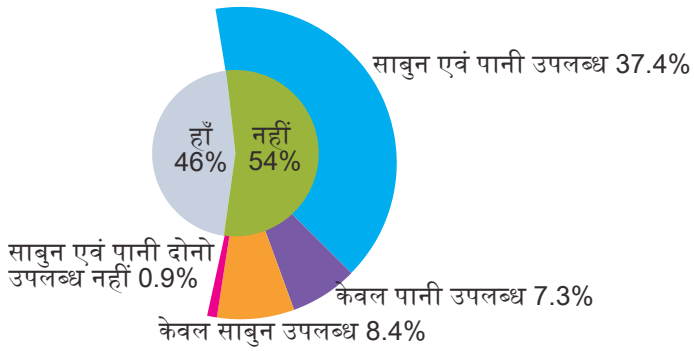

राजस्थान में 54% परिवारों की हाथ धोने के निर्धारित स्थान तक पहुंच है। जिन परिवारों में हाथ धोने का निर्धारित स्थान पाया गया उनमेसे लगभग 37% में साबुन एवं पानी दोनो उस निर्धारित स्थान पर साक्षात्कार के समय पाए गए।

JOHNS HOPKINS BLOOMBERG SCHOOL of PUBLIC HEALTH
BILL & MELINDA GATES INSTITUTE for POPULATION and REPRODUCTIVE HEALTH
JOHNS HOPKINS WATER INSTITUTE
PMA2020

PMA2016/RAJASTHAN-ROUND 1

जल, स्वच्छता, व साफ-सफाई (वॉश) के संकेतकों को चुनें

शौचालय की मुख्य सुविधा

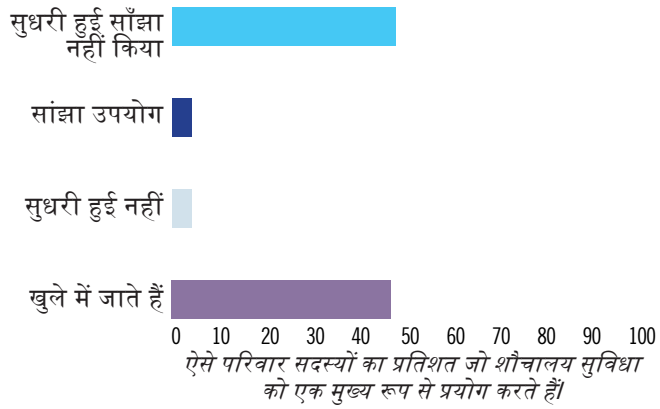

सुधार रहित शौच सुविधाओं में सांझा उपयोग एवं खुले में शौच जैसी श्रेणिया शामिल हैं जो की राजस्थान में शौच सुविधाओं के कुल उपयोग का करीब 53% है

परिवार में शौचालयसुविधाओं की संख्या

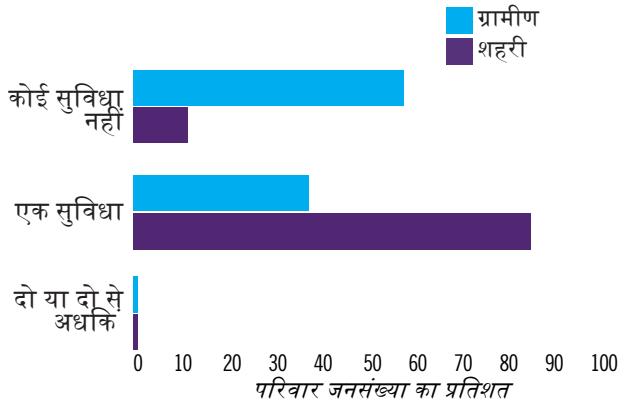

60% ग्रामीण परिवारों में किसी भी प्रकार की शौच सुविधा नहीं है और वे खुले में शौच जाते हैं जबकि 88% शहरी परिवार खुले के अतरिक्त कम से कम एक प्रकार की शौच सुविधा का नियमित उपयोग करते हैं।

खुले में शौच , संपन्नता के पांच स्तरों के अनुसार

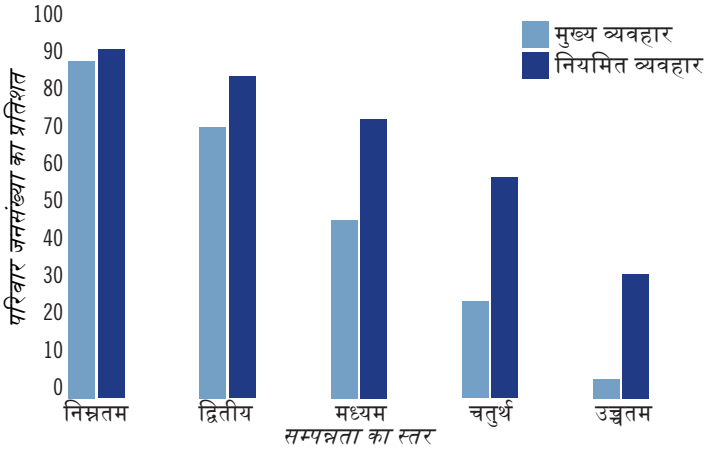

संपन्नता एवं खुले में शौच जाने के व्यवाहर में विपरीत सम्बन्ध है। संपन्नता के सभी स्तरों में, वे परिवार जो निरंतर खुले में शौच जाते हैं लेकिन जिन्होंने किसी अन्य प्रकार की सुविधा को शौच हेतु अपनायी गयी मुख्य सुविधा बताया है, उनका प्रतिशत उन परिवारों से कहीं अधिक है जिन्होंने खुले में शौच जाने को मुख्य व्यवहार बताया है।

खुले में शौच व्यवहार, जाति अनुसार

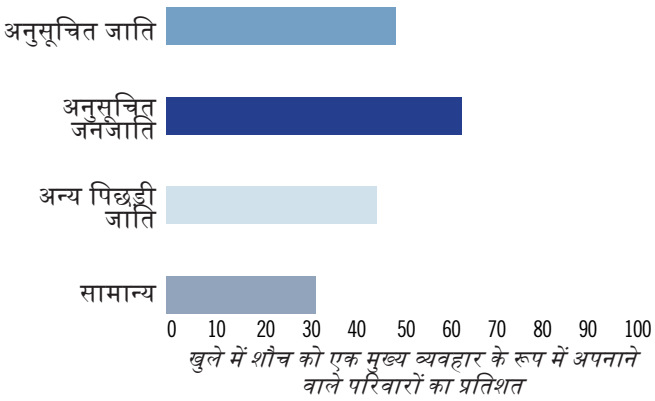

खुले में शौच को एक मुख्य व्यवहार के रूप में अपनाना अनुसूचित जन जाति के परिवारों में अधिक हैं और सामान्य जाति में सबसे कम।

सेंपल डिजाईन

PMA2016/राजस्थान सर्वेक्षण हेतु द्वी-स्तरीय क्लस्टर डिजाईन का उपयोग किया गया है। अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान द्वारा मास्टर सेंपलिंग फ्रेम के माध्यम से 147 गणन क्षेत्रों (EA) का सेंपल निकाला गया था। प्रत्येक (EA) में से परिवारों एवं स्वास्थ्य संस्थाओं की सूचियाँ एवं मैप तैयार किए गऐ, जिनमें से 35 परिवारों का रैंडम विधि से चुनाव किया गया। परिवारों का सर्वेक्षण किया गया एवं उनमें रहने वाले सदस्यों की प्रगणना की गयी। अंतिम पूर्ण सेम्पल में 4,870 परिवार एवं 23,574 लोगों को शामिल किया गया। सूचनाएं जून से सितम्बर 2016 के दौरान एकत्रित की गयीं।।उपचारित एवं अनुपचारित जल स्रोतों एवं शौचालय सुविधाओं की परिभाषा 2005-06 के भारतीय डेमोग्राफिक एवं हैल्थ सर्वेक्षण के अनुसार ली गयी है।

फोटो श्रेयः अमीना जानमोहम्मद (2009), फोटोशेयर के सौजन्य से

PMA2020 IIHMR UNIVERSITY

28 नवंबर 2016 तक अद्यतन